Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : तृतीय
नाट्यसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महाकवि भासः तस्य च नाटकानि इति विषयमाश्रित्य निबन्धो लेख्यः।
2. मृच्छकटिकम् नाटकमाधारीकृत्य शूद्रकस्य नाट्यकौशलं प्रतिपाद्यताम्।
3. 'मुद्राराक्षसम्' इत्यस्य कोऽभिप्रायः? नाटकस्यास्य वैशिष्ट्यं विलिख्यताम्।
4. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्कस्य महत्त्वं प्रतिपाद्यताम्।
5. महाकवेः कालिदासस्य काव्यसौन्दर्यमधिकृत्य निबन्धो लेख्यः।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. स्वप्नवासवदत्तस्य पद्यमेकं विलिख्य तस्यार्थोऽपि लेखनीयः।
7. अधोलिखितस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या -
   सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते धनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
   सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रितां, धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।।
8. 'रक्तस्य रागपरिवृद्धिकरः प्रमोदः' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
9. मुद्राराक्षसनाटकस्य पद्यमेकं विलिख्य तस्य व्याख्या कार्या।
10. संस्कृत नाटकेषु मृच्छकटिकस्य स्थानं महत्त्व च निर्धार्यताम्।
11. "तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां लोकोनियम्यत इवात्मदशान्तरेषुं" इत्यस्य व्याख्या कार्या।
12. पद्यस्यास्य व्याख्या कार्या -
    यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां, तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे।
    श्यामाकमुष्टिपरिवर्द्धितको जहाति, सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते।।

----------x----------